भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2087

जिसका उत्तर शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026/9 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरकों की कमी

2087. श्री राहुल गांधी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या होर्मुज जलडमरूमध्य की वर्ष 2026 में नाकेबंदी ने देश में उर्वरकों, कीटनाशकों और संबंधित इनपुटों की आपूर्ति को प्रभावित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) जनवरी 2026 से आयातित उर्वरकों, कीटनाशकों और कच्चे माल का देश-वार, मद-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है:

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उर्वरकों की कमी के कारण किसानों को प्रति एकड़ पंद्रह हजार रुपये तक का भुगतान करना पड़ रहा है और यदि हां, तो पिछले बारह महीनों के दौरान उर्वरकों और कीटनाशकों की माह-वार घरेलू उत्पादन क्षमता और उनके उपयोग सहित इस संबंध में किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मार्च 2026 से कोई उर्वरक कारखानें अपनी क्षमता से कम क्षमता पर कार्य कर रहे हैं या बंद पड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश की आयात निर्भरता कितनी है; और

(ड.) क्या सरकार यह मानती है कि प्रमुख इनपुटों पर निरंतर आयात निर्भरता उर्वरकों के घरेलू उत्पादन की स्थिति को कमजोर बनाती है और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान देश की प्रमुख इनपुटों, नामत: डीएपी, एमओपी, अमोनिया, फॉस्फोरिक एसिड, सल्फर, रॉक फॉस्फेट और एलएनजी के लिए मात्रा और प्रतिशत के अनुसार निर्भरता को इंगित करते हुए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के बाद, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है, जिससे देश में उर्वरकों, कीटनाशकों और संबंधित आदानों/कच्चे माल की सुचारू उपलब्धता प्रभावित हुई है। ये बाधाएं माल भाड़े और बीमा लागत में बढ़ोत्तरी, शिपमेंट में देरी और बढ़ी हुई मूल्य अस्थिरता के रूप में सामने आई हैं। भारत द्वारा किए जाने वाले अमोनिया, फॉस्फोरिक एसिड और सल्फर जैसे प्रमुख आदानों के आयात पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ा है, जबकि वैश्विक रसद के मार्ग में आए व्यापक व्यवधानों के कारण पोटाश के आयात पर उच्च उतराई (लैंडिंड) लागत का सामना करना पड़ा है।

सरकार ने देश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं, जिनमें आयात स्रोतों का विविधीकरण और लक्षित नीतिगत उपाय शामिल हैं। उर्वरक विभाग ने विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय से कई देशों में खरीद के अवसरों की तलाश करके सक्रिय रूप से आयात स्रोतों के विविधीकरण का प्रयास किया है।

वर्तमान कैलेंडर वर्ष में जून तक यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके के आयात के संबंध में देशवार विवरण **अनुलग्नक-I** पर दिया गया है।

इसके अलावा, सरकार ने फॉस्फेटिक और पोटासिक (पी एंड के) उर्वरकों के लिए 01.04.2010 से पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना लागू की है। इस योजना के तहत, पी एंड के उर्वरकों को ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) के तहत कवर किया गया है और कंपनियां अपने व्यावसायिक उतार-चढ़ाव के अनुसार इन उर्वरकों/उनके कच्चे माल का आयात/निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।

(ग) और (घ): देश में उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक फसल मौसम के शुरू होने से पहले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएण्डएफडब्ल्यू), सभी राज्य सरकारों के परामर्श से, उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आकलित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करके राज्यों को उर्वरकों का यथेष्ट/पर्याप्त मात्रा में आवंटन करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है। देश भर में सब्सिडी प्राप्त सभी प्रमुख उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है। यूरिया तथा अन्य उर्वरकों की मांग (आवश्यकता) और उत्पादन के बीच के अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। मौसम के लिए समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आयात को काफी पहले अंतिम रूप दे दिया जाता है। राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि वे समय पर मांगपत्र जारी करके आपूर्तियों को सुव्यवस्थित करने के लिए विनिर्माताओं और आयातकों के साथ समन्वय स्थापित करें। रेल मंत्रालय के साथ नियमित समन्वय बैठकें होती हैं ताकि रेल मंत्रालय राज्यों को पर्याप्त रैक दे, उर्वरकों को प्राथमिकता दे और रैकों की समय पर निकासी करवाए। राज्य के भीतर जिला स्तर पर उर्वरकों का वितरण संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

उर्वरक की कमी के कारण प्रति एकड़ ₹15,000 के कथित व्यय की पुष्टि नहीं की गई है, क्योंकि इस अवधि के दौरान सभी राज्यों में उर्वरकों अर्थात यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस की उपलब्धता पर्याप्त बनी रही है। रबी मौसम 2025-26 और चल रहे खरीफ मौसम 2026 के दौरान उक्त उर्वरकों की आवश्यकता, उपलब्धता, बिक्री और शेष स्टॉक के बारे में जानकारी **अनुलग्नक-II** में दी गई है।

पिछले 12 महीनों के लिए उर्वरकों के माह-वार उत्पादन के बारे में जानकारी **अनुलग्नक-III** में दी गई है।

मार्च 2026 से जून 2026 के दौरान उर्वरक संयंत्रों के बंद होने का विवरण **अनुलग्नक- IV** में दिया गया है।

(ङ.): जी हां, सरकार को पता है कि प्रमुख आदानों के लिए आयात पर निर्भर होने से उर्वरक क्षेत्र में वैश्विक आपूर्ति और मूल्य को लेकर जोखिम भी हो सकते है। भारत में सीमित घरेलू भंडार होने के कारण उर्वरकों के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख कच्चे माल के लिए काफी हद तक आयात

पर निर्भर है। इसमें फास्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएंडके) उर्वरकों के लिए फॉस्फोरिक एसिड, रॉक फॉस्फेट, सल्फर, अमोनिया और म्यूरेट ऑफ पोटाश जैसे मध्यवर्ती पदार्थों के साथ-साथ यूरिया उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस शामिल हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लदान में आए व्यवधान के कारण, सरकार ने प्राकृतिक गैस के उत्पादन, आवंटन और वितरण को विनियमित करने और इसकी एकसमान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत 09.03.2026 को प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 को अधिसूचित किया। इस आदेश में पीएनजी (घरेलू) (पिछले छह महीनों के दौरान औसत खपत का 100%), सीएनजी (परिवहन), एलपीजी उत्पादन और उर्वरक सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस के आवंटन में प्राथमिकता दी गई, जिससे आवश्यक सेवाओं, ऊर्जा सुरक्षा और लोक कल्याण को लगातार जारी रखा जा सके। उक्त उपाय अस्थायी थे और आपूर्ति की स्थिति में सुधार को देखते हुए, उन्हें दिनांक 04.07.2026 की अधिसूचना के माध्यम से वापस ले लिया गया। जनवरी-2026 से मई-2026 तक उर्वरक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की खपत का विवरण इस प्रकार है:-

उर्वरक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की खपत (एमएमएससीएम में)			
माह/वर्ष	**घरेलू**	**आरएलएनजी**	**कुल**
जनवरी, 2026	234	1532	1766
फरवरी, 2026	217	1380	1598
मार्च, 2026	211	1028	1239
अप्रैल, 2026	205	1195	1400
मई, 2026	223	1367	1590

इसके अलावा, भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में उर्वरकों के उत्पादन के लिए आयातित कच्चे माल और मध्यवर्ती पदार्थों का अनुमानित हिस्सा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**उर्वरक/फीडस्टॉक/कच्चा माल/मध्यवर्ती पदार्थ**	**भारत की आयात पर निर्भरता (%)**		
		2023-24	**2024-25**	**2025-26**
1.	डीएपी	51	49	66
2.	प्राकृतिक गैस (यूरिया हेतु)	80	78	76
3.	अमोनिया (डीएपी/एनपी/एनपीके हेतु)	72	77	72
4.	फॉस्फोरिक एसिड	54	50	50
5.	रॉक फॉस्फेट	88	90	89
6.	सल्फर	46	52	51
7.	पोटाश	100	100	100

*****

अनुलग्नक-।

यह अनुलग्नक 31.07.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2087 के उत्तर के भाग (क) और (ख) से संबंधित है।

इस कैलेंडर वर्ष में (26 जून तक) उर्वरकों (यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीके) का आयात				
				मात्रा एलएमटी में
माह	यूरिया	कंपनियों द्वारा रिपोर्ट किया गया		
		डीएपी	एमओपी *	एनपीके
जनवरी-26	9.33	0.70	3.39	1.95
फरवरी-26	8.69	1.51	2.91	0.58
मार्च-26	5.51	0.27	1.28	1.62
अप्रैल-26	5.83	0.49	2.20	2.22
मई-26	4.10	1.32	3.04	1.40
जून-26	15.15	5.30	0.85	1.29
सकल योग	48.61	9.59	13.67	9.06
एमओपी में कृषि और औद्योगिक उपयोग दोनों शामिल हैं*				

देश-वार विवरण

देश-वार उर्वरकों का आयात (जनवरी-26 से जून-26 तक)				
				मात्रा एलएमटी में
देश का नाम	यूरिया	कंपनियों द्वारा रिपोर्ट किया गया		
		डीएपी	एमओपी	एनपीके
अल्जीरिया	2.93	0.45	-	-
बहरीन	1.20	-	-	-
ब्रुनेई	0.61	-	-	-
कनाडा	-	-	1.92	-
चीन	5.53	0.55	-	-
मिस्र	6.09	0.61	-	-
फ़िनलैंड	2.22	-	-	-
जॉर्जिया	2.11	-	-	-
इज़राइल	-	-	2.17	-
जॉर्डन	-	0.67	1.14	-
मलेशिया	1.02	-	-	-
मोरक्को	-	2.73	-	-
नाइजीरिया	4.24	-	-	-
ओमान	6.11	-	-	-
क़तर	2.90	-	-	-
रूस	8.54	-	4.79	8.34
साउदी अरब	1.84	3.40	-	0.28
सेनेगल	-	0.03	-	-
दक्षिण कोरिया	-	0.15	-	0.44
तुर्की	0.36	-	-	-
तुर्कमेनिस्तान	-	-	3.65	-
यूएई	0.46	-	-	-
यूएसए	-	1.00	-	-
वियतनाम	2.45	-	-	-
कुल योग	48.61	9.59	13.67	9.06
एमओपी में कृषि और औद्योगिक उपयोग दोनों शामिल हैं *				

******

अनुलग्नक-।।

यह अनुलग्नक 31.07.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2087 के उत्तर के भाग (ग) और (घ) से संबंधित है।

अखिल भारत

चल रहे खरीफ मौसम 2026 (01.04.26 से 26.07.26 तक) के दौरान उर्वरक की उपलब्धता

आंकड़े एलएमटी में

क्र.सं.	उत्पाद	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री	26.07.26 तक अंतिम स्टॉक
1	यूरिया	118.81	173.06	107.07	66.01
2	डीएपी	34.28	41.90	25.40	16.50
3	एमओपी	10.86	14.14	5.65	8.51
4	एनपीकेएस	52.34	87.57	43.09	44.48

रबी 2025-26 के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता

आंकड़े एलएमटी में

क्र.सं.	उत्पाद	आवश्यकता	उपलब्धता	डीबीटी बिक्री	31.03.26 तक अंतिम स्टॉक
1	यूरिया	196.06	257.59	203.39	54.22
2	डीएपी	53.43	75.41	54.47	20.93
3	एमओपी	15.69	19.63	11.62	8.01
4	एनपीकेएस	82.38	117.43	68.88	48.59

1. सहज उपलब्धता का प्राथमिक संकेतक: उपलब्धता **>** आवश्यकता
2. सहज उपलब्धता का द्वितीयक संकेतक: उपलब्धता **>** बिक्री

****

अनुलग्नक-।।।

यह अनुलग्नक 31.07.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2087 के उत्तर के भाग (ग) और (घ) से संबंधित है।

माह	**उत्पादन '000' एमटी में**			
	यूरिया	**डीएपी**	**एनपीके**	**एसएसपी**
जुलाई-25	2572.4	333.3	1147.7	521.1
अगस्त-25	2655.8	316.0	1204.0	472.5
सितम्बर-25	2431.2	317.1	1139.9	540.3
अक्तूबर-25	2688.0	316.3	1190.9	555.9
नवम्बर-25	2625.2	361.5	1170.8	489.1
दिसम्बर-25	2691.3	349.5	1196.6	464.2
जनवरी-26	2673.4	342.0	1226.6	416.6
फरवरी-26	2448.4	333.2	985.1	409.5
मार्च-26	1751.6	197.1	730.0	414.1
अप्रैल-26	2097.7	303.2	577.7	357.8
मई-26	2519.5	392.7	744.1	437.3
जून-26	2537.5	288.3	755.1	554.8

******

अनुलग्नक-IV

यह अनुलग्नक 31.07.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2087 के उत्तर के भाग (ग) और (घ) से संबंधित है।

मार्च 2026 से जून 2026 के दौरान बंद संयंत्रों का विवरण

संयंत्र	इस तारीख से बंद	इस तारीख तक बंद	कारण
एनएफएल, नंगल	06.03.2026	22.03.2026	चूंकि नंगल इकाई बंद है, इसलिए आवंटित गैस को बेहतर ऊर्जा दक्षता और उसी गैस से अधिक यूरिया के उत्पादन के लिए अन्य एनएफएल इकाइयों में भेजा जा रहा है।
आरसीएफ,ट्रॉम्बे	20.03.2026	31.03.2026	संयंत्र को बंद किए जाने के कारण
एचयूआरएल, गोरखपुर	06.03.2026	31.03.2026	बरौनी और सिंदरी को गैस डायवर्ट करने के कारण
इफको, कलोल	06.03.2026	17.04.2026	गैस की आपूर्ति में कटौती के कारण कलोल संयंत्र सुरक्षित ढंग से काम नहीं कर सकता है। गैस की आपूर्ति में कटौती के कारण 06.03.2026 को 16:30 बजे अमोनिया और यूरिया संयंत्र को बंद कर दिया गया। इसलिए, इष्टतम स्तर पर इन संयंत्रों को संचालित करने के लिए कलोल इकाई को आवंटित लगभग 0.73 एमएमएससीएमसीडी गैस को इफको फूलपुर- I और II इकाइयों और आंवला-I इकाई को भेजा जा रहा है।
एसएफसी , कोटा	07.03.2026	19.03.2026	संयंत्र को बंद किए जाने के कारण
पीपीएल, गोवा	15.02.2026	17.04.2026	वार्षिक बदलाव। डीसीक्यू आपूर्ति को 0.66 एमएमएससीएमसीडी तक सीमित करने के संबंध में गेल से नोटिस प्राप्त हुआ। हालांकि, गेल ने उत्पादन को बनाए रखने के लिए पीपीएल-गोवा इकाई (वर्तमान में बंद होने के कारण पुनरूद्धार के तहत) से पीपीएल-मंगलुरु इकाई में गैस के डायवर्जन का समर्थन करने के लिए पीपीएल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।
स्पिक,	03.03.2026	18.03.2026	रखरखाव गतिविधियों के लिए उत्पादन

तूतीकोरिन			बंद कर दिया गया।
इंडोरामा, जगदीशपुर	26.02.2026	27.03.2026	वार्षिक टर्न अराउंड।
सीएफसीएल, गड़ेपान - II	01.03.2026	11.04.2026	गड़ेपान-I और III में गैस को डायवर्ट कर दिया गया।
केएफएल, शाहजहांपुर	21.03.2026	26.04.2026	टीआर के कारण प्रगति पर है।
मैटिक्स, पानागढ़	09.03.2026	15.03.2026	गैस की कम आपूर्ति के कारण
एनएफएल, नंगल	03.04.2026	15.04.2026	यूरिया संयंत्र में एंटी-सर्ज कूलर (ई-1705) में अचानक ट्यूब रिसाव के कारण एचई-2ए (आंशिक कंडेंसर) में अचानक हुए रिसाव के कारण
इफको, फूलपुर - II	14.05.2026	16.05.2026	दिनांक 14.05.2026 को 9.30 बजे एचआरयू बॉयलर (बी-3461) का अनिवार्य आईबीआर निरीक्षण करने के लिए संयंत्र को बंद किया गया है। 15.05.2026 को आईबीआर निरीक्षण पूरा हुआ और वर्तमान में संयंत्र को शुरू करने संबंधी गतिविधियां प्रगति पर हैं।
सीएफसीएल, गड़ेपान - I	01.06.2026	03.06.2026	वार्षिक बदलाव के लिए बंद
	08.06.2026	24.06.2026	वार्षिक बदलाव के लिए बंद
एमएफएल	15.06.2026	26.06.2026	उपकरण खराब होने के कारण

******